नवरंगपुर-ओडिशा। 'दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह' के दौरान मंच पर ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, ब्र.कु. कमलेश दीदी,उपक्षेत्रीय निदेशिका,कटक, ब्र.कु. आशा दीदी,निदेशिका,ओ.आर.सी., गुरूग्राम, ब्र.कु. नीलम दीदी,उपक्षेत्रीय निदेशिका,नवरंगपुर तथा ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित होने वाली तेईस कुमारियां।

पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

आज हम उन शक्तियों की चर्चा करेंगे जिनसे हमारा वजूद है। हमारा मन, बुद्धि दोनों हमारी एक अनुपम शक्ति है, जो हम सबको विश्व पर राज्य करना सिखा सकती है। लेकिन ये दोनों आज हमारे वश में नहीं हैं, हम इनके वश में हैं। इसलिए गलतियां होती रही हैं।

हमारे परमात्मा के द्वारा जो महावाक्य सुनाये जाते हैं, उसमें एक महावाक्य है - 'जो अपनी सूक्ष्म शक्तियों को हैंडल कर सकता है, वह किसी को भी हैंडल कर सकता है।' अब इसका अर्थ क्या है? सूक्ष्म से सूक्ष्म हमारा मन है, मन का मतलब संकल्प है। भाव यह है कि जो अपने संकल्प को अपने हिसाब से चलायेगा, उसके हिसाब से लोग चलेंगे। लेकिन आज हमारे संकल्प लोगों के हिसाब से हैं। इसलिए लोगों से हम प्रभावित होते हैं।

माना जैसे अपने से थोड़ा अच्छा संकल्प उसका देखा, माना संकल्प का बड़ा रूप उसका कर्म, उसका व्यवहार, तो तुरन्त हम कहते हैं कि यह व्यक्ति कितना अच्छा हैंडल करता है। माना उसका एक संकल्प बाहरी रूप से आपको प्रभावित कर गया। माना आप भी ऐसा संकल्प चाहते हैं ना! माना आप वैसा बोलना चाहते हैं या करना चाहते हैं। तो वो ज़्यादा शक्तिशाली हो गया।

उसके सूक्ष्म संकल्प की शक्ति आपको गुलाम बना गई। तभी हम बार-बार उस व्यक्ति का नाम लेते रहते हैं, जिससे हम प्रभावित होते हैं। लेकिन उस कार्य का स्थूल रूप आने से पहले कोई तो सूक्ष्म रूप रहा होगा। अब आपको क्या करना है, अपने मन की सूक्ष्म शक्ति को कैसे प्रयोग में लाना है। जैसे अगर आपका मन बाहर जाने का करता है, कुछ देखने-सुनने का करता है। इसका मतलब मन उन कामों को करना चाह रहा है, जो दुनिया की हैं, विनाशी हैं, जिससे आपकी शक्ति नष्ट होगी। क्योंकि जब मन कुछ स्थूल देखना चाहता हो, उसमें जो ऊर्जा लगी होगी, वो कैसी होगी। इसलिए उस समय थोड़ी देर के लिए आपको मन को समझाना होगा। माना बुद्धि का इस्तेमाल करना होगा कि ये हमारी शक्तियों को नष्ट करने वाली चीज़ें हैं। इनसे बचो।

फिर भी एक बार में वो नहीं मानेगा। उसे फिर से एक बार समझाओ। जैसे छोटे बच्चे को आप मनाते हैं, तो उस समय उसे क्या कहते हैं कि बच्चे इस बार ऐसा कर लो, अगली बार तुमको ये चीज़ लाकर दूंगा। ऐसे हम टालते जाते और बच्चा उस बात को मानकर एक आशा लेकर बैठ जाता।

अगर उसे बार-बार वह चीज़ नहीं दी गई तो बच्चा भूल भी जायेगा और उसे आदत पड़ जायेगी। वैसे ही अपने मन को बच्चे की तरह बार-बार बहलाओ कि इस बार रहने देते हैं, ये काम नहीं करते हैं फिर देख लेंगे। धीरे-धीरे उसको आदत पड़ जायेगी। सूक्ष्म रूप से ही सूक्ष्म संकल्पों को शक्तिशाली बना सकते हैं।

जो भी महान व्यक्ति हुए, उन्होंने अपने संकल्पों को चारों तरफ से इसी प्रकार समेटा। और कहते रहे कि जो काम मुझे करना है ना, उसके लिए हज़ारों आकर्षणों को छोड़ना पड़ेगा। इसलिए मुझे पढ़ना ज़रूरी है।

अगर सूक्ष्म संकल्पों को समेटना चाहते हैं, तो बार-बार अपने उद्देश्य को सामने लाओ। उसको बोलो कि अगर मुझे महादानी बनना है तो उसके लिए अपने सूक्ष्म संकल्पों को बचाना पड़ेगा। ऐसी छोटी-छोटी धारणाओं से हम अपनी सूक्ष्म शक्तियों को बचा सकते हैं।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-8(2018-2019)

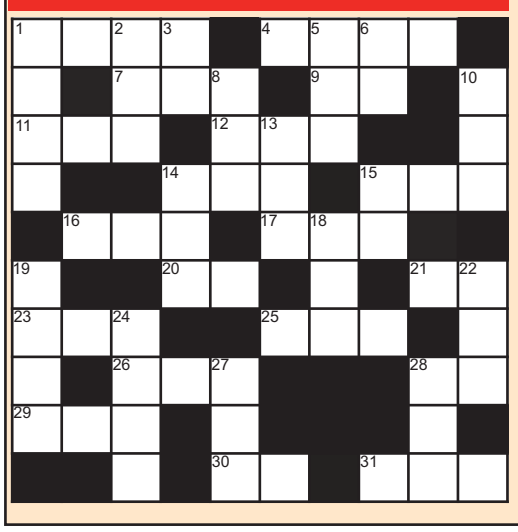

ऊपर से नीचे

1. सामस्या नहीं...स्वरूप बनना है, हल (4)
2. लवण, लून (3)
3. पंख, पक्ष, किंतु (2)
5. जरिया, सामग्री, उपाय (3)
6. शरीर, देह (2)
8. खफा, असन्तुष्ट (3)
10. किसी भी दे-हधारी से कोई...नहीं रखना है, नाता (3)
13. पिता, वैदेही राजा (3)
14. अर्थवान, उपयोगी, सफल (3)
15. आना वाले...की तुम तकदीर हो (2)
18....रागिनी सा तेरा प्यार बाबा (3)
19.आत्मा परमात्मा अलग रहे... (4)
22.शरीरधारी आत्मा, प्राण (3)
24. निवासी, रहने वाला (4)
27. काबिल, योग्य (3)
28. ...को खुदा मत कहो, आदि पिता (3)

बाएं से दाएं

1. समझदारी, बुद्धिमानी (4)
4. बहुत नीचे, धरती के नीचे का छठा तत्व (4)
7. इस दुनिया से जीते जी...है (3)
9. ...दिये धन न खुटे (2)
11. धर्म से संबंधित, धर्म वाला (3)
12. राजा, नृप, नरेश (3)
14. शिव...आये हैं तुम सजनियों को वापस ले जाने (3)
15. बदनामी, दाग, लांछन (3)
16. सक्षम, शक्तिशाली, बलवान (3)
17. ...पुष्प समान जीवन पवित्र बनाना है (3)
20. उधार, ऋण (2)
21. सन्तुष्ट, तृप्त (2)
23. कला, योग्यता (3)
25.गर्म, तपित (3)
26. आक्रमण, धावा (3)
28. शरीर को चलाने वाला रथी (2)
29. पक्षघात, फालिज़ (3)
30. कान, सूर्यपुत्र, महाभारत का एक पात्र (2)
31. कटि, शरीर का मध्य भाग (3)

-ब्र.कु. राजेश, शान्तिवन

श्रीनिवास नगर-जयपुर(राज.)। नये उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को बधाई एवं शुभकामनायें देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. हेमा, ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. इंदरकुमार,तमिलनाडु तथा ब्र.कु. रमेश,माउण्ट आबू।

करनाल से.7-हरियाणा। मॉरिशियस के कार्यवाहक राष्ट्रपति माननीय परमशिव पिल्लेया पुरी को ईश्वरीय सौगात भेंट कर मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. प्रेम। साथ हैं ब्र.कु. शिखा, डॉ. एन.के. महानी, धरमसिंह भारती, निफा चेयरमैन प्रितपाल सिंह पन्नू तथा अन्य।

खमाणो-पंजाब। ज्ञानचर्चा के पश्चात् एस.डी.एम. परमजीत सिंह को प्रसाद देते हुए ब्र.कु. नीलिमा तथा ब्र.कु. सुरभि।

वाराणसी-उ.प्र.। डीजल रेलवे कारखाना स्थित केन्द्रीय विद्यालय में ज्ञानचर्चा के पश्चात् समूह चित्र में विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा समस्त अध्यापकों के साथ सामने घाट सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजली, ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. जानकी तथा अन्य ब्र.कु. भाई बहनें।

टूण्डला-रामनगर(उ.प्र.)। 'पॉज़ीटिव लाइफ स्टाइल' विषयक यूथ रिट्रीट में मशाल जलाकर संकल्प लेते हुए युवाओं के साथ ब्र.कु. हेमंत, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विजय बहन, ब्र.कु. तनु तथा अन्य।

बहल-हरियाणा। 'नि:शुल्क नशामुक्ति शिविर' में रोगियों की जाँच कर दवाई देते हुए ब्र.कु. डॉ. राम कुमार।